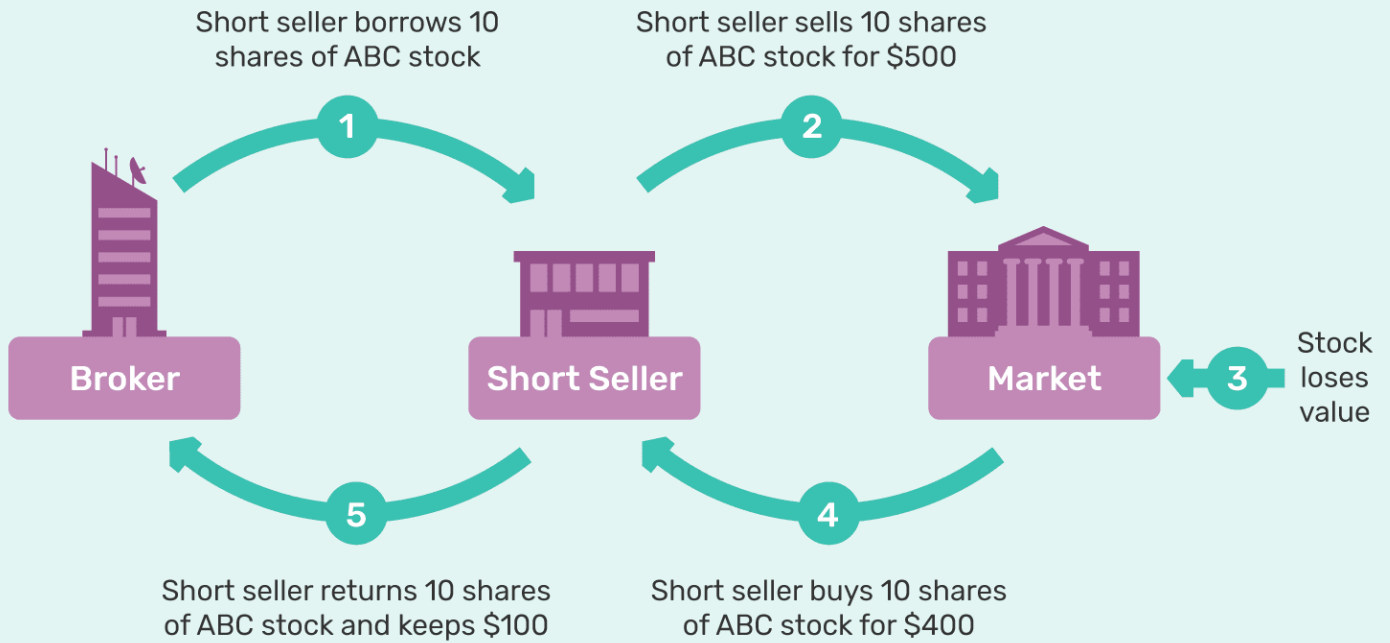


शॉर्ट सेलिंग क्या है?

परिचय:

- शॉर्ट सेलिंग वह प्रक्रिया है जिसमें एक निवेशक किसी स्टॉक अथवा प्रतभूत को उधार लेता है तथा उसका विक्रय खुले बाजार में करता है एवं भविष्य में कीमत में संभावित गिरावट का अनुमान लगाते हुए बाद में उसी परसिपत्ता को कम कीमत पर पुनर्खरीद करने का लक्ष्य रखता है।
 - SEBI शॉर्ट सेलिंग को उस स्टॉक का विक्रय करने के रूप में परिभाषित करता है जिस पर व्यापार के समय विक्रेता का स्वामित्व नहीं होता है।

Short Selling



भारत में शॉर्ट-सेलिंग का वनियमन:

- SEBI ने हाल ही में कहा है कि सभी श्रेणियों के निवेशकों को शॉर्ट-सेलिंग की अनुमति दी जाएगी हालाँकि नेकेड शॉर्ट-सेलिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - नतीजतन सभी निवेशकों को नपिटान अवधि के दौरान प्रतभूतियाँ वतिरति करने के अपने कर्त्तव्य को पूरा करना आवश्यक है।
 - जब कोई निवेशक स्टॉक अथवा प्रतभूतियों को उधार लेने की व्यवस्था किये बिना अथवा यह सुनिश्चित किये बिना बेचता है कि उन्हें उधार लिया जा सकता है तो इसे नेकेड शॉर्ट सेलिंग के रूप में जाना जाता है।
- खुदरा निवेशकों के पास दिन के समापन से पहले लेनदेन की शॉर्ट-सेल स्थितिका वविरण देने का विकल्प होता है जबकि संस्थागत निवेशकों को पहले से ही यह सूचित करना आवश्यक होता है कि लेनदेन शॉर्ट-सेल है अथवा नहीं।
- इसके अलावा, सेबी द्वारा पात्र श्रेयों की आवधिक समीक्षा के अधीन, F&O (वायदा और विकल्प) खंड में कारोबार की जाने वाली प्रतभूतियों के लिये शॉर्ट सेलिंग की अनुमति है।
 - वायदा और विकल्प (F&O) व्युत्पन्न उपकरण हैं। वायदा में असीमति जोखिम के साथ एक निर्धारित तिथि पर सहमत मूल्य पर संपत्ति खरीदने/बेचने का दायित्व शामिल होता है।
 - विकल्प एक निश्चित तिथि तक संपत्ति खरीदने/बेचने का अधिकार (लेकिन दायित्व नहीं) देते हैं, जिसमें प्रीमियम

का अग्रमि भुगतान संभावति नुकसान को सीमति करता है।

भवषिय	वकिल्प
एक खरीदार को डलिवरी के समय स्टॉक खरीदना होगा चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो (भले ही वह कम हो रही हो)	स्टॉक में गरिवट होने पर खरीदार स्टॉक खरीदने का नरिणय छोड़ सकता है या बलिकूल भी नहीं खरीद सकता है।
वकिल्पो की तुलना में अधिक मार्जनि भुगतान की आवश्यकता होती है।	वायदा की तुलना में कम मार्जनि का भुगतान होता है।
इसमें असीमति लाभ है और जोखमि भी अधिक है।	उक्त तथिपर स्टॉक खरीदने या न खरीदने के फ्लेक्सीबिलिटी के कारण नुकसान की सीमति संभावना और असीमति लाभ होते हैं।
कमीशन के अलावा कसिी अग्रमि लागत की आवश्यकता नहीं है।	भुगतान करने के लयि एक प्रीमियम आवश्यक है।
वायदा में अंतरनहिति स्थतिवकिल्पो से कहीं अधिक होता है।	अंतरनहिति स्थतिवायदा से कम होती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. वत्ततीय नविश की भाषा में 'बयिर' शब्द का अर्थ है: (2010)

- (a) एक नविशक जसिे लगता है ककिसी वशिष प्रतभूता की कीमत गरिने वाली है
- (b) एक नविशक जो वशिष शेरों की कीमत बढ़ने की उममीद करता है
- (c) एक शेरधारक या एक बांडधारक जसिका कसिी वत्ततीय या अन्य कंपनी में हति है
- (d) कोई भी ऋणदाता चाहे ऋण देकर या बांड खरीदकर

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/supreme-court-verdict-on-adani-hindenburg-case>

